D.ed. — 19-21

अर्थ समझना :

किसी विषय का विस्तार से वर्णन करना, व्याख्या करना, समझना। हिन्दी भाषा को पढ़कर उसका अर्थ समझने की प्रक्रिया द्वारा छात्रों को संपूर्ण ज्ञान प्राप्त हो जाता है तथा पढ़ने के द्वारा ही अपने विषय या उससे संबंधित विषय को अधिक विस्तार से पढ़ा जाता है तो इसका अर्थ समझ में आने लगता है। अर्थ समझकर विषय से संबंधित बिंदुओं को आसानी से समझा जा सकता है।

पढ़ने के द्वारा छात्र में अर्थग्रहण करने की योग्यताओं का विकास निम्न होता है —

* पठित सामग्री का केन्द्रीय भाव या विचार ग्रहण कर लेना।
* अनावश्यक स्थलों को छोड़ते हुए मुख्य सूचनाओं और भावों को ग्रहण कर लेना।
* प्रकाशित सामग्री से उन सामग्री को चुन लेना जो उसकी आवश्यकताओं के अनुकूल हो।
* साहित्य की विधाओं के प्रमुख तथ्यों को पहचानना
* भाषा के लिपि चिन्हों को पहचानकर उनका शुद्ध उच्चारण करना।
* उचित स्वर यति, गति, लय के साथ विराम आदि चिन्हों को ध्यान में रखकर पढ़ना।
* स्थानीय भाषा बोली से प्रभाव मुक्त रहकर

Scanned with CamScanner

भावानुभव उतार - चढ़ाव के साथ पढ़ना ।

* आवश्यकतानुसार शब्दकोष को देखकर अर्थ निकालना ।

S. Kumar